आईएनएस वलसुरा

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने INS (इंडियन नेवल शिप) 'वलसुरा' को प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान किया।

'प्रेसिडेंट्स कलर' का अर्थ:

- यह देश के लिये असाधारण सेवाओं हेतु भारत में एक सैन्य इकाई को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।
  - तीन रक्षा बलों में से भारतीय नौसेना वर्ष 1951 में डॉ राजेंद्र प्रसाद द्वारा 'प्रेसिडेंट्स कलर' से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी।
- **परंपरा:** सेना में 'प्रेसिडेंट्स कलर' की उत्पत्ति उतनी ही पुरानी है जितनी कि सेना। प्राचीन भारत में विभिन्न राजाओं की सेनाएँ जब भी युद्ध में जाती थीं तो वह अपने साथ 'ध्वज' ले जाती थीं।
  - प्राचीन मिस्र या रोम की सेनाओं में भी इन परंपराओं का पालन किया जाता था, जहाँ सेनाएँ झंडे और 'रोमन ईगल' को युद्ध में ले जाती थीं।
  - भारत तथा साथ ही कई राष्ट्रमंडल देशों में यह परंपरा ब्रिटिश सेना से ली गई है।
  - परंपरागत रूप से इससे जुड़े चार प्रकार के प्रतीक रहे हैं- मानक, दिशा-निर्देश, रंग और बैनर।
  - इन्फैंट्री रेजिमेंट, सेना प्रतिष्ठान और नौसेना तथा वायु सेना इकाइयों को 'प्रेसिडेंट्स कलर' से सम्मानित किया जाता है, जबकि बख्तरबंद रेजिमेंट को 'मानकों' से सम्मानित किया जाता है।
  - रेजिमेंट के युद्ध सम्मान प्रेसिडेंट्स कलर' पर प्रदर्शित होते हैं और इसलिये ये रेजिमेंट के अतीत की एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

आईएनएस वलसुरा:

- **इतिहास:** 'वलसुरा' नाम दो तमिल शब्दों- 'वाल' (अर्थात् तलवार) और 'सोरा' (अर्थात् शार्क) के संयोजन से लिया गया था। सौराष्ट्र के तट पर पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की स्वोर्डफिश के कारण इसे उपयुक्त माना गया।
  - स्वोर्डफिश द्वितीय विश्व युद्ध के टॉरपीडो ले जाने वाले विमान का भी नाम था।
  - भारतीय रॉयल नेवी की क्षमता बढ़ाने हेतु यूनिट को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान टॉरपीडो प्रशिक्षण स्कूल के रूप में कमीशन किया गया था।
  - इसकी स्थापना 15 दिसंबर, 1942 को नवानगर की तत्कालीन महारानी गुलाब कुंवरबा साहिबा द्वारा की गई थी। स्वतंत्रता के बाद 1 जुलाई, 1950 को HMIS वलसुरा का नाम बदलकर INS वलसुरा (INS Valsura) कर दिया गया।
- **महत्त्वपूर्ण आउटरीच गतिविधि:** गुजरात में विनाशकारी भूकंप के बाद वलसुरा द्वारा एक उल्लेखनीय 'आउटरीच' गतिविधि का प्रदर्शन किया गया।
  - इसने निर्धारित रिकॉर्ड समय में भूकंप से तबाह हुए मोडा गाँव की बहाली और एक नए नेवी मोडा गाँव के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - इस उपलब्धि को नौसेना द्वारा तब मान्यता दी गई थी जब दिसंबर 2001 में यूनिट को विशेष यूनिट प्रशस्ति पत्र दिया गया था, जो सामान्य रूप से परिचालन इकाइयों हेतु आरक्षित एक सम्मान था।
- **INS वलसुरा की वर्तमान स्थिति:** यह इकाई प्रशिक्षण अवसंरचना के प्रगतिशील संवर्द्धन के माध्यम से **समकालीन एवं विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण** प्रदान करती है।
  - हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और मीडियम वोल्टेज लैब की स्थापना, अधिकारियों तथा नाविकों के प्रशिक्षण और समकालीन तकनीक में तकनीकी उत्कृष्टता के लिये एक अनूठी मिसाल है।
  - INS वलसुरा **मित्रवत विदेशी नौसेनाओं के लिये पसंदीदा प्रशिक्षण गंतव्य के रूप में** भी उभरा है।
  - INS वलसुरा ने **हिंद महासागर क्षेत्र** के देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने में भी भारत की मदद की है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ins-valsura